भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

03.12.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 649 का उत्तर

कोलकाता मेट्रो में अत्यधिक भीड़भाड़ की घटनाएं

649. श्री शत्रुघ्न सिन्हा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या कोलकाता मेट्रो में अत्यधिक भीड़भाड़ की घटनाओं में लगातार वृद्धि हुई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार कोलकाता में मेट्रो ट्रेन संख्या का विस्तार करने का विचार रखती है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या कोलकाता मेट्रो में कर्मचारियों की कमी है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार का कोलकाता मेट्रो में और अधिक व्यक्तियों को नियोजित करने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): कोलकाता में मेट्रो परियोजना 1972 में शुरू हुई थी। तब से अब तक कमीशन की गई मेट्रो का विवरण निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन की गई मेट्रो
1972 से 2014 (42 वर्ष)	28 कि.मी.
2014 to 2025 (11 वर्ष)	45 कि.मी.

वर्तमान में, कोलकाता और उसके आसपास कुल 52 किलोमीटर लंबे चार मेट्रो गलियारा निर्माणाधीन हैं, जिनमें से 20 किलोमीटर का काम भूमि अधिग्रहण और राज्य सरकार से संबंधित जनोपयोगी स्थानांतरण के कारण रुका हुआ है। इन गलियारों की स्थिति नीचे दी गई है:

गलियारे का नाम और लंबाई (कि.मी.)	पूरे हुए कार्य (कि.मी.)	शेष लंबाई (कि.मी.)	स्थिती
जोका - एस्प्लेनेड (14 किमी)	7.74 किमी (जोका-माजेरहाट)	6.26 किमी (माजेरहाट-एस्प्लेनेड)	राज्य प्राधिकारियों द्वारा धीमी गति से भूमि अधिग्रहण और जनोपयोगी विपथन संबंधी मुद्दों के कारण कार्य की प्रगति प्रभावित हुई।
न्यू गरिया-दमदम हवाई अड्डा (32 किमी)	9.8 किमी (न्यू गरिया-बेलघाटा)	22.2 किमी (बेलाघाटा-दम दम हवाई अड्डा)	राज्य प्राधिकारियों से यातायात परिवर्तन की अनुमति में देरी के कारण कार्य की प्रगति धीमी है।
नोआपारा - बारासात (18 किमी)	6.77 किमी (नोआपारा- जय हिंद हवाई अड्डा)	11.36 किमी (जय हिंद हवाई अड्डा-बारासात)	जय हिंद हवाई अड्डे से माइकल नगर तक का काम प्रगति पर है। न्यू बैरकपुर से बारासात (7.5 किमी) तक का काम राज्य के प्राधिकारियों द्वारा भूमि अधिग्रहण और अतिक्रमण संबंधी मुद्दों के कारण रुका हुआ है।
बारानगर-बैरकपुर (12.5 किमी)	राज्य सरकार के प्राधिकारियों द्वारा जनोपयोगी (कोलकाता नगर निगम की जल पाइपलाइन) के संरेखण में बदलाव लंबित होने के कारण कार्य रुका हुआ है।		

न्यू गरिया-दमदम हवाई अड्डा परियोजना (32 किमी) के संबंध में, न्यू गरिया-बेलघाटा (9.8 किमी) का कार्य पूरा हो चुका है। बेलघाटा-दमदम हवाई अड्डा (22.2 किमी) का शेष कार्य शुरू किया जा चुका है। बहरहाल, चिंगरीघाटा जंक्शन पर वायडक्ट के निर्माण हेतु अस्थायी सड़क यातायात विपथन के लिए कोलकाता पुलिस से अनापत्ति प्रमाण पत्र की आवश्यकता है, जो राज्य सरकार से बार-बार अनुरोध करने के बावजूद (फरवरी, 2025 तक) लंबित है। मामला अभी भी अनसुलझा है।

कोलकाता मेट्रो के यात्रियों के संबंध में, कोविड के बाद कोलकाता मेट्रो में यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है, जो 2022-23 में 16.89 करोड़ यात्रियों से बढ़कर 2024-25 में 20.81 करोड़ हो गई है। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, कोलकाता मेट्रो में लगे रेकों की संख्या भी 2022-23 में 44 से बढ़ाकर वर्तमान में 55 कर दी गई है।

नेटवर्क और यातायात आवश्यकताओं में वृद्धि के आधार पर मेट्रो रेकों की संख्या में वृद्धि की जाती है, जो एक निरंतर और सतत चलने वाली प्रक्रिया है।

भारतीय रेल में भर्ती:

भारतीय रेल के आकार, स्थानिक वितरण और संचालन की गंभीरता को देखते हुए, रिक्तियों का होना और उन्हें भरना एक सतत प्रक्रिया है। नियमित संचालन, प्रौद्योगिकी में बदलाव, मशीनीकरण और कोलकाता मेट्रो सहित नवीन प्रक्रियाओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त जनशक्ति उपलब्ध कराई जाती है। रिक्तियों को मुख्य रूप से रेलवे द्वारा परिचालनिक और तकनीकी आवश्यकताओं के अनुसार भर्ती एजेंसियों को रेलवे द्वारा मांगपत्र भेजकर नियुक्तियों को भरा जाता है।

वार्षिक कैलेंडर 2024 और 2025 के अनुसार, कोलकाता मेट्रो सहित भारतीय रेल में 1,20,579 रिक्तियों की भर्ती की गई है।

जनवरी से दिसंबर 2024 के दौरान, सहायक लोको पायलट, तकनीशियन, उप-निरीक्षक, कांस्टेबल, रेलवे सुरक्षा बल में कनिष्ठ अभियंता/डिपो सामग्री अधीक्षक/रासायनिक एवं धातुकर्म सहायक (सीएमए), पैरामेडिकल कोटि, गैर-तकनीकी लोकप्रिय श्रेणियां (स्नातक), गैर-तकनीकी लोकप्रिय श्रेणियां (पूर्व स्नातक), मंत्रालयिक एवं पृथक कोटियाँ और सहायक, ट्रैक मेंटेनर और पॉइंट्समैन जैसी लेवल-1 कोटियों के पदों को भरने के लिए 92,116 रिक्तियों के लिए दस केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचनाएं (सीईएन) अधिसूचित की गईं।

59,678 पदों के लिए पहले चरण एकल चरण/की कंप्यूटर आधारित परीक्षाएं(सीबीटी) पूरी की जा चुकी हैं। इनका विवरण निम्नानुसार हैं-

परीक्षा	अभ्यर्थी	शहर	भाषाएं
सहायक लोको पायलट के पद हेतु प्रथम चरण कंप्यूटर आधारित परीक्षा (18,799 रिक्तियां)	18,40,347	156	15
तकनीशियन के पद हेतु सीबीटी (14,298 रिक्तियां)	26,99,892	139	15
जेई/डीएमएस/सीएमए के पद हेतु प्रथम चरण कंप्यूटर आधारित परीक्षा (7,951 रिक्तियां)	11,01,266	146	15
रे.सु.ब.-उप निरीक्षक के पद हेतु कंप्यूटर आधारित परीक्षा (452 रिक्तियां)	15,35,635	143	15
रे.सु.ब.-कांस्टेबल के लिए कंप्यूटर आधारित परीक्षा (4208 रिक्तियां)	45,30,288	147	15
पैरामेडिकल कोटियों के लिए कंप्यूटर आधारित परीक्षा (1376 रिक्तियां)	7,08,321	143	15
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक) के लिए प्रथम चरण कंप्यूटर आधारित परीक्षा (8113 रिक्तियां)	58,41,774	141	15
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (पूर्व स्नातक) के लिए	63,27,473	157	15

प्रथम चरण कंप्यूटर आधारित परीक्षा (3445 रिक्तियां)			
अनुसचिवीय और पृथक श्रेणियों के लिए कंप्यूटर आधारित परीक्षा (1,036 रिक्तियां)	4,46,013	139	15

सहायक लोको पायलट, जेई/डीएमएस/सीएमए और गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक) के पदों के लिए दूसरे चरण की कंप्यूटर आधारित परीक्षा भी पूरी की जा चुकी है। विवरण निम्नानुसार है: -

परीक्षा	अभ्यर्थी	शहर	भाषाएं
सहायक लोको पायलट के पद हेतु द्वितीय चरण कंप्यूटर आधारित परीक्षा (18,799 रिक्तियां)	2,66,363	112	15
जेई/डीएमएस/सीएमए के पद हेतु द्वितीय चरण कंप्यूटर आधारित परीक्षा (7,951 रिक्तियां)	1,17,339	118	15
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक) के लिए द्वितीय चरण कंप्यूटर आधारित परीक्षा (8113 रिक्तियां)	1,21,931	129	15

सहायक लोको पायलट के पद के लिए कंप्यूटर आधारित एप्टीट्यूड टेस्ट (सीबीएटी) भी पूरा किया जा चुका है। विवरण निम्नानुसार है:-

परीक्षा	अभ्यर्थी	शहर	भाषाएं
सहायक लोको पायलट के पद हेतु कंप्यूटर आधारित एप्टीट्यूड टेस्ट (सीबीएटी) (18,799 रिक्तियां)	1,32,044	84	2

लेवल-1 श्रेणियों के लिए 32,438 रिक्तियों के लिए सीबीटी दिनांक 27.11.2025 से 15 भाषाओं में 140 शहरों में शुरू किया जा चुका है। कांस्टेबल (आरपीएफ) की 4,208 रिक्तियों के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षण (पीईटी) 13.11.2025 से शुरू किया जा चुका है।

तकनीशियनों, जूनियर इंजीनियरों, पैरामेडिकल श्रेणियों, सब-इंस्पेक्टरों (आरपीएफ) और सहायक लोको पायलटों के पदों सहित 23,000 से अधिक अभ्यर्थियों के लिए पैनल मांगने वाले रेलवे को भेजे गए हैं। उनमें से अधिकांश संरक्षा श्रेणियों में हैं।

इसके अलावा, वर्ष 2025 के वार्षिक कैलेंडर के अनुसार, 28,463 रिक्तियों के लिए सात केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचनाएं (सीईएनएस) भी जारी की गई हैं। विवरण निम्नानुसार है:

क्र .सं.	सीईएन सं.	पद का नाम	अधिसूचित की गई रिक्तियों की सं.	अधिसूचना जारी करने का महीना
1	01/2025	सहायक लोको पायलट	9,970	मार्च 2025
2	02/2025	तकनीशियन	6,238	जून 2025
3	03/2025	पैरामेडिकल कोटियाँ	434	जुलाई 2025
4	04/2025	खंड नियंत्रक	368	अगस्त 2025
5	05/2025	जूनियर इंजीनियर/ डिपो सामग्री अधीक्षक	2,585	अक्टूबर 2025
6	06/2025	एनटीपीसी (स्नातक)	5,810	अक्टूबर 2025
7	07/2025	एनटीपीसी(पूर्व स्नातक)	3,058	अक्टूबर 2025

रेलवे भर्ती बोर्ड की परीक्षाएं काफी तकनीकी प्रकृति की होती हैं जिनमें बड़े पैमाने पर कर्मियों और संसाधनों को जुटाने तथा जनशक्ति के प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। रेलवे ने इन सभी चुनौतियों का सामना किया और सभी निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन करते हुए पारदर्शी तरीके से भर्ती का सफलतापूर्वक संचालन किया। पूरी प्रक्रिया के दौरान पेपर लीक या इसी तरह के कदाचार की कोई घटना सामने नहीं आई है।

वर्ष 2004-2005 से 2013-14 की तुलना में 2014-2015 से 2024-2025 के दौरान भारतीय रेल में की गई भर्तियों का विवरण निम्नानुसार दिया गया हैः-

अवधि	भर्तियां
2004-2005 से 2013-2014	4.11 लाख
2014-2015 से 2024-2025	5.08 लाख

इसके अलावा, प्रणालीगत सुधार के तौर पर, रेल मंत्रालय ने समूह 'ग' पद की विभिन्न कोटियों में भर्ती के लिए वर्ष 2024 से वार्षिक कैलेंडर प्रकाशित करने की एक प्रणाली शुरू की है। वार्षिक कैलेंडर की शुरुआत से अभ्यर्थी निम्नानुसार लाभान्वित हो रहे हैं:

- **अभ्यर्थियों के लिए अधिक अवसर;**
- **प्रतिवर्ष योग्यता प्राप्त करने वालों को अवसर;**
- **परीक्षाओं की निश्चितता;**
- **भर्ती प्रक्रिया, प्रशिक्षण और नियुक्तियों में तेज़ी।**

*****